राज एक्सप्रेस, भोपाल
6 OCT 2011

बेटी बचाओ अभियान एक रचनात्मक पहल

बेटी बचाओ अभियान प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार की एक अनूठी और जरूरी पहल है। इसका समर्थन किया जाना चाहिए।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बुधवार को प्रारंभ किया गया बेटी बचाओ अभियान एक बेजोड़ पहल है। न केवल अपने प्रदेश में, बल्कि पूरे देश में स्थिति यह है कि लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। विज्ञान ने ऐसे कई वरदान दिए हैं, जिससे मानव जाति का जीवन बेहतर हुआ है। अल्ट्रासाउंड-सोनोग्राफी की तकनीक भी विज्ञान द्वारा मानवता को दिया गया एक वरदान ही है, मगर यही वरदान बेटियों के लिए अभिशाप बन गया है। अल्ट्रासाउंड का आविष्कार करने वाले डॉ. विलियम नेलसन बेक 'नेल्स' ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वे यह जो मशीन बना रहे हैं, भारत के नारी-पूजक समाज का एक बड़ा वर्ग उसका दुरुपयोग करेगा। वह गर्भ-परीक्षण यह जानने के लिए कराएगा कि गर्भ में मौजूद भ्रूण लड़के का है अथवा लड़की का। फिर, लड़की की भ्रूण में ही हत्या भी करा देगा। यह सही है कि देश में बेटियों की भ्रूण हत्या रोकने के लिए कानूनों का एक पूरा पोथन्ना मौजूद है, पर नीयत में जब खोट होता है, तो कानूनों के तोड़ भी ढूंढ ही लिए जाते हैं। अतः इसका सही आंकड़ा भी किसी के पास नहीं है कि देश में आखिर रोज कितनी बेटियां भ्रूण में ही मार दी जाती हैं?

अलबत्ता, यह सबको पता है कि देश में लड़कों के मुकाबले लड़कियों की तादाद तेजी से गिर रही है। कुछ राज्यों में तो प्रति एक हजार लड़कों पर 830 लड़कियां ही बची हैं। तब जरूरी है कि समाज को जिम्मेदारी का अहसास कराया जाए। यदि बेटियों की प्रतिभा को वह देख नहीं पा रहा है, तो उसे बताया जाए कि बेटियां बेटों पर भारी ही पड़ती हैं, बशर्ते उनके साथ पक्षपात न किया जाए। मुख्यमंत्री का बेटी बचाओ अभियान इसी दिशा में एक रचनात्मक पहल है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए और इस अभियान को सहयोग व समर्थन भी दिया जाना चाहिए।